अपनी राह चलो

बुरा किसी का किया नही

अभिमान कभी किया नही,

विश्वास किया है अपनो पर

पारस कोई होता ही नही,

समझ के अपना,अपनो को

संशय किसी पर किया नही,

पुरुषार्थ को अंगीकार किया

उसके समतुल्य कोई नही,

शिखर की इच्छा रखने वाले

ना परवाह किसी की करते है,

आदर सत्कार करने वाले

ना पीछे किसी के रहते हैं,

सूरज की तरह तेज से अपने

अनुशासन का जीवन जीते है,

ईर्ष्या, घृणा, इस दुनियाव मे

ना काम किसी के आई है,

जिसने इनका उपयोग किया

उसने तो ठोकर ही खाई है,

जो समय का सदुपयोग करे

जीवन मे सब कुछ पाता है,

दूजे की कमियां ढूढने वांला

सुख चैन सभी खो देता है,

✍ गोपाल कृष्ण व्यास